मेरे प्रभु तू इतना बता, तेरे लिए मैं क्या करूँ (२)
तेरी शरण को छोड़कर, जगकी शरण में क्या करूँ (२)
मेरे प्रभु तू इतना बता, तेरे लिए मैं क्या करूँ

फूलों में बस रहा है तू, चंदा में खिल रहा है तू (२)
तेरे प्रकाश के सामने, दीपक जलाके क्या करूँ (२)
मेरे प्रभु तू इतना बता, तेरे लिए मैं क्या करूँ

तारों में खिल रहा है तू, चंदा में जग रहा है तू (२)
मेरे तो मन में हो ही तुम, मंदिर में जाके क्या करूँ (२)

मेरे प्रभु तू इतना बता, तेरे लिए मैं क्या करूँ
तेरे प्रकाश के सामने, दीपक जलाके क्या करूँ
तेरी शरण को छोड़कर, जगकी शरण में क्या करूँ (२)
मेरे प्रभु तू इतना बता, तेरे लिए मैं क्या करूँ